Solution
PRELIMINARY EXAM - 4
Class 10 - हिंदी ब
खंड - क (अपठित बोध)

1. i. (C) विश्व स्तर पर होने वाली भोजन की बर्बादी
   ii. (A) पर्यावरण को
   iii. (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।
   iv. किस प्रकार क्षति-
   - फेंके गए भोजन से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन, पर्यावरण के लिए हानिकारक
   - ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का भी कारक

   किस प्रकार कम-
   - नवाचार टेक्नोलॉजी का प्रयोग, बुनियादी ढाँचे का विकास
   - बर्बाद भोजन का कूड़ा खाद के रूप में प्रयोग, खाद्य पुनर्चक्रण

   v. **क्या-** खाने के बजाए फेंक दिया जाना
   कारण-
   - अधिक मात्रा में भोजन खरीदना
   - समाप्ति तिथि के बाद खोले बिना ही भोजन को फेंका जाना

2. i. (B) कार्य-कारण के संबंध में भूल होने पर
   ii. (C) I और II दोनों सही हैं ।
   iii. (D) कथन तथा कारण दोनों सही है तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।
   iv.
   - केवल दुख पहुँचाने वाले का नाश चाहना
   - अपनी त्रुटि या क्रोध के परिणाम का विचार न करना
   - दुखदाता की शक्ति के रूप और परिणाम का विचार किए बिना उससे भिड़ना

   v.
   - उचित-अनुचित का विचार न करने पर
   - शत्रु की शक्ति का विचार किए बिना अकेले ही उसे मारने के लिए निकलने पर

खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. i. क्रिया के संपन्न होने की रीति, मात्रा, स्थान या काल का बोध
   ii. रहस्यात्मक और भयावनी
   iii. भीगे हुए बादाम की गिरी
   iv. क्रिया पदबंध
   v. क्रिया विशेषण (अव्यय) पदबंध, शाबाशी देने की रीति की विशेषता

4. i. सरल वाक्य
   ii. शैलेन्द्र के निजी जीवन की जो छाप है, वही उनकी फ़िल्म में झलकती है ।
   iii. उसने तलवार को अपनी तरफ खींचा और वह दूर तक पहुँच गया ।
   iv. सरल वाक्य को क्रिया के आधार पर दो या अधिक स्वतंत्र वाक्यों में विभाजित कर समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जोड़कर
   उदाहरण-
   - सरल वाक्य- सूर्योदय होने पर पक्षी चहचहाने लगे ।
   - विभाजन- सूर्योदय हुआ । पक्षी चहचहाने लगे ।
   - संयुक्त वाक्य- सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे ।

   v. लोगों द्वारा स्मरण करते ही तताँरा भागा-भागा पहुँच जाता ।

5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (a) समास दो या अधिक शब्दों को जोड़कर एक छोटा और सारगर्भित पद बनाता है, जिससे वाक्य संक्षिप्त और प्रभावशाली बन जाता है । जैसे, "जो सूर्य की किरणों से भरा है" को "सूर्यकिरण" कहा जा सकता है ।
   (b) द्विगु समास में दो पद होते हैं - पूर्व पद और उत्तर पद । इसमें पूर्व पद संख्या, गुण या द्वैत को व्यक्त करता है, और उत्तर पद उसे विशेषता देता है । उदाहरण के तौर पर, "द्वादशपद" (12 पंख) शब्द में "द्वादश" पूर्व पद है जो संख्या को व्यक्त करता है, और "पद" उत्तर पद है जो चीज़ की पहचान बताता है ।
   (c)
   - विग्रह: सत् + कर्म
   - भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें दोनों पदों का आपसी संबंध होता है । "सत्कर्म" का अर्थ होता है अच्छे कर्म, जहां "सत्" (अच्छा) और "कर्म" (कार्य) मिलकर एक नया अर्थ उत्पन्न करते हैं ।

   (d)
   - **भेद:**
     - निष्ठा भेद: जिसमें एक शब्द विशेषण हो ।
     - साधक भेद: जिसमें एक शब्द क्रिया हो ।

EDUTECH ACADEMY

- **उदाहरण:**
  - "द्वारपाल" (द्वार + पाल) - द्वार की रक्षा करने वाला।
  - "ज्ञानवर्धन" (ज्ञान + वर्धन) - ज्ञान को बढ़ाने वाला।

(e)
- विग्रह: वहि + स्कृत
- प्रकार: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "वहि" (बाहर) और "स्कृत" (किया गया) मिलकर "वहिष्कृत" (बाहर किया गया) शब्द बनाते हैं।

6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(a) छक्के छुड़ा दिए

(b) मिट्टी का माधो

(c) अंधे के हाथ बटेर लगना: भाग्यवश कोई अच्छी चीज मिल जाना।
ऊंट के मुंह में जीरा: आवश्यकता से बहुत कम चीज प्राप्त होना।

(d) तुम जो भी बात करो, संभलकर करो क्योंकि दीवारों के भी कान होते हैं।

(e) मुहावरा: गहराई में जाना।
वाक्य: किसी भी विषय को समझने के लिए उसकी गहराई में जाना आवश्यक है।

खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जितना आज हम और तुम खर्च कर रहे हैं, उसके आधे में दादा ने अपनी उम्र का बड़ा भाग इज़्ज़त और नेकनामी के साथ निभाया है और कुटुम्ब का पालन किया है जिसमें सब मिलकर नौ आदमी थे। अपने हेडमास्टर साहब को ही देखो। एम. ए. हैं कि नहीं और यहाँ के एम. ए. नहीं, ऑक्सफोर्ड के। एक हज़ार रुपये पाते हैं; लेकिन उनके घर का इंतजाम कौन करता है? उनकी बूढ़ी माँ। हेडमास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई। पहले खुद घर का इंतजाम करते थे। खर्च पूरा न पड़ता था। कर्जदार रहते थे। जब से उनकी माता जी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, जैसे घर में लक्ष्मी आ गई है। तो भाईजान, यह गरूर दिल से निकाल डालो कि तुम मेरे समीप आ गए हो और अब स्वतंत्र हो। मेरे देखते तुम बेराह न चलने पाओगे।

(a) **(d)** ऑक्सफोर्ड से
Explanation:
ऑक्सफोर्ड से

(b) **(b)** एक हज़ार रुपए
Explanation:
एक हज़ार रुपए

(c) **(a)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
Explanation:
कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) **(c)** हेडमास्टर की माता जी
Explanation:
हेडमास्टर की माता जी

(e) **(a)** कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो
Explanation:
कक्षा में एक दरज़ा नीचे हो

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(a) 26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्ता के सभी मार्गों को सजाया गया था सुबह से ही लोग रास्तों पर निकलना शुरू हो गए थे। रास्तों पर जगह-जगह पुलिस, सार्जेंट, गोरखे तैनात किए गए थे पुलिस घोंडेपर तथा लारियों में बैठकर गश्त लगा रही थी। इतना सख्त पहरा होने के बाद भी स्वतंत्रता सेनानियों ने जगह-जगह झंडे फहराए। पुलिस ने सभी क्रांतिकारियों के साथ मारपीट की और उन्हें गिरफ्तार किया गया, जिसमें 105 स्त्रियाँ भी थीं। प्रत्येक मार्ग में क्रांतिकारियों के जुलूस निकल रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही थी |

(b) "वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी क़ीमत बढ़ाते थे" यह कथन गांधीजी के लिए कहा गया है। यहाँ सोना आदर्श का और ताँबा व्यावहारिकता का प्रतीक है। गांधीजी ने अपने आदर्शवादी सिद्धांतों को व्यावहारिक जीवन में उतारने का प्रयास किया। उन्होंने आदर्शों को व्यावहारिकता के साथ जोड़कर उसे और अधिक मूल्यवान बनाया। गांधीजी ने ताँबे में सोना मिलाकर, यानी व्यावहारिक जीवन में आदर्शों का समावेश कर, उसे जीवन के हर पहलू में महत्त्वपूर्ण बना दिया।

(c) वजीर अली ने अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर आक्रमण करने के लिए बुलाया क्योंकि वह उसकी मदद से अवध को जीतकर उसका नवाब बनना चाहता था । तत्पश्चात वह अंग्रेजों को खदेड़कर हिन्दुस्तान को आजाद करना चाहता था । लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ कम लोगों के होने के कारण उसे अफ़ग़ानिस्तान के बादशाह को मदद के लिए बुलाना पड़ा ।

(d) शैलेंद्र के अनुसार कलाकार का महत्वपूर्ण कर्तव्य है कि वह दर्शकों की रूचियों में परिष्कार करने की कोशिश करें, उनकी रूचि के स्तर को ऊँचा उठाए, लोगों में जागृति एवं संवेदंशीलता लाने का प्रयास करे। कलाकार सिर्फ और सिर्फ दर्शकों की रुचियों के अनुसार ढ़लकर स्वयं

EDUTECH ACADEMY

को उथला और सस्ता न करे और सिर्फ और सिर्फ व्यापारिक संभावनाओं को ध्यान में रखकर फिल्म में अभिनय और अपना किरदार न निभाए। उनका कर्तव्य है कि हिंदी फ़िल्म जगत में एक सार्थक और उद्देश्यपरक फ़िल्म को लाने के लिए बढ़ावा दे ।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े ।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी ।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे । ।

(a) **(a)** देवता
Explanation:
देवता

(b) **(d)** मदद के लिए
Explanation:
मदद के लिए

(c) **(c)** सहयोग की भावना से
Explanation:
सहयोग की भावना से

(d) **(b)** एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना
Explanation:
एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना

(e) **(b)** (i), (ii), (iv)
Explanation: परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं। कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं। सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(a) मीराबाई निम्नलिखित तर्क देकर श्रीकृष्ण से दर्शन देने की प्रार्थना कर रही हैं-
मीरा कहती है यह कृष्ण भगवान आप भक्तों की रक्षा करने वाले हो। जिस प्रकार आपने अपने भक्तों की रक्षा करके उनको दर्शन दिए हैं उसी प्रकार मुझे भी दर्शन दीजिए। भगवान का भक्तवत्सल रूप याद दिलाने के लिए वह तीन उदाहरण देती हैं।
i. हे प्रभु! आपने द्रौपदी की लाज बचाकर उसे उबारा था, उस प्रकार मुझे भी बचाइए।
ii. आपने गजराज को मगरमच्छ से बचाया था, इसलिए मुझे भी उबारें।
iii. आपने नरसिंह रूप धारण कर भक्त प्रह्लाद को हिरण्यकश्यप से बचाया था, उसी प्रकार मेरी भी रक्षा कीजिए।
iv. मैं भी आपकी भक्त हूँ इसलिए उन्हीं की तरह मुझे भी दर्शन दीजिए।

(b) कविता के अनुसार पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष शांत और चिंतित होकर एकटक आकाश की ओर देख रहे थे क्योंकि उनमें और ऊँचा उठने की कामना थी। कवि ने इन्हें मनुष्य की महत्वाकांक्षाओं के लिए प्रतिबिम्बित किया है। जिस प्रकार मनुष्य की महत्वाकांक्षाओं का अंत नहीं होता है, उसी प्रकार ये भी ऊँचा उठना चाहते हैं।

(c) देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने की भावना उनमें स्वाभाविक रूप से दिखाई देती है, क्योंकि उनके भीतर गहरा देशप्रेम और बलिदान की महान परंपरा रची-बसी है। यही भावनाएँ उन्हें राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देती हैं।

(d) दुःख के संबंध में हमारी प्रार्थना और कवि की प्रार्थना में बहुत अंतर है। दुःख के समय में हम ईश्वर से विनती करते हैं कि वे हमें दुःख से बचायें और हम पर किसी प्रकार की कोई कठिनाई न आए। वही कवि दुख के समय ईश्वर से निवेदन करता है कि वे उसे दुःख से नहीं बचाए बल्कि इतनी हिम्मत और साहस दें कि वह दुःख का सामना कर उनसे निपट सके ।

11. पूरक पाठ्य पुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :

(a) हरिहर काका को ठाकुरबारी ले जाकर महंत ने जायदाद के लालच में उनकी बहुत आवभगत की। वे उन्हें ठाकुरबारी ले आए और उन्हें तरह-तरह से बहला-फुसलाकर जायदाद को ठाकुर जी के नाम करने के लिए समझाने लगे। वे किसी भी तरह से उनकी जायदाद को अपने नाम लिखवाना चाहते थे, परन्तु हरिहर काका ने ऐसा करने से साफ़ इंकार कर दिया तो उन्हें अपने पुजारियों से पिटवाया और कोरे कागज़ पर उनके अंगूठे के निशान ले लिए। उन्होंने हरिहर काका को जान से मरवाने का भी प्रयास किया।

(b) 'सपनों के-से दिन' में लेखक और उसके मित्रों ने अपने सहपाठी का नाम 'रेलबम्बा' इसलिए रखा, क्योंकि वह रेलवे स्टेशन पर बम की तरह तेजी से दौड़ता और शोर मचाता था। मेरे एक मित्र का नामकरण 'भौकाल' हुआ, क्योंकि वह हमेशा जोर-जोर से बोलकर माहौल बनाता था। यह नामकरण उसकी तेज आवाज और आत्मविश्वास भरे व्यवहार के आधार पर किया गया, जो हमेशा हमें हँसाता और प्रभावित करता था।

(c) हम एक समृद्ध परिवार से हैं और हमारा मित्र गरीब परिवार से है तो हम ये ध्यान रखेंगे कि जाने-अनजाने हमसे कोई भी ऐसा व्यवहार न हो जिससे उसे ठेस पहुँचे। हम उसके सामने अपने पैसों और रुतबे का दिखावा नहीं करेंगे और सामान्य व्यक्ति के समान ही व्यवहार करेंगे। हम अपने परिवारजनों से भी कह देंगे कि कोई भी उसके सामने अमीर होने का दिखावा नहीं करें।

EDUTECH ACADEMY

खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(a) नैतिकता का अर्थ है ऐसे गुण और आचार जो व्यक्ति को सत्य, ईमानदारी, परोपकार और सम्मान की राह पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। आज समाज में नैतिक मूल्यों का पतन इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग स्वार्थ, असत्य, लालच और अनुशासनहीनता की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इससे अनैतिकता से हानि होती है-विश्वास टूटता है, अपराध बढ़ता है और समाज में असमानता और विषमता फैलती है। नैतिकता के पतन का परिणाम यह होता है कि इंसान दूसरों के प्रति संवेदनशीलता खो देता है और अपने हित के लिए भीड़ के साथ अन्याय का समर्थन कर लेता है। इसका उपाय यह है कि हमें सही शिक्षा, पारिवारिक संस्कार, सामाजिक आदर्श और आत्म-आत्मनिरीक्षण को अपनाना चाहिए। इससे व्यक्ति स्वयं में सुधार लायेगा और समाज में नैतिकता का पुनरुद्धार होगा।

(b) कहा गया है कि कर्म ही जीवन है। कर्म के अभाव में जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता। मनुष्य को जीवनपर्यन्त कोई-न-कोई कर्म करते रहना पड़ता है और कर्म का आधार है- श्रम। यही कारण है कि प्राचीन ही नहीं आधुनिक विश्व साहित्य में भी श्रम की महिमा का बखान किया गया है। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए श्रम अनिवार्य है। इसलिए कहा गया है- "परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" उन्हीं लोगों का जीवन सफल होता है, वे ही लोग अमर हो पाते हैं जो जीवन को परिश्रम की आग में तपाकर उसे सोने की भाँति चमकदार बना लेते हैं। परिश्रमी व्यक्ति सदैव अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहता है। श्रम का अर्थ लोग केवल शारीरिक श्रम समझते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। शारीरिक श्रम के साथ-साथ मन-मस्तिष्क के प्रयोग को मानसिक श्रम की संज्ञा दी गई है। शारीरिक श्रम ही नहीं, बल्कि मानसिक श्रम से भी शरीर थक सकता है। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों को जहाँ शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता होती है, वहीं शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर, शोधकर्ता इत्यादि को मानसिक श्रम से अपने उद्देश्यों की प्राप्ति करनी पड़ती है। यदि आदिमानव श्रम नहीं करता, तो आधुनिक मानव को इतनी सुख-शान्ति कहाँ से मिलती। ईश्वर भी उन्हीं की मदद करते हैं, जो स्वयं अपनी मदद करते हैं। परिश्रम करने से ही मनुष्य को अपरिमित लाभ मिलता है। उसे सुख की तो प्राप्ति होती ही है, साथ ही आत्मिक शान्ति भी मिलती है और यह आत्मिक सुख हृदय को पवित्रता प्रदान करता है। जीवन में श्रम का अत्यधिक महत्व है। परिश्रमी मनुष्य को धन और यश दोनों ही मिलते हैं तथा मरणोपरान्त भी वह अपने कर्मों के लिए आदरपूर्वक याद किया जाता है।

(c) साइबर सुरक्षा आज के डिजिटल युग में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह क्षेत्र इंटरनेट पर सुरक्षा की गारंटी देने और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। वर्तमान में साइबर हमले, जैसे कि हैकिंग और फ़िशिंग, की बढ़ती घटनाओं ने इसे चर्चा का प्रमुख कारण बना दिया है। ऐसे में जागरूकता ही समाधान की भूमिका निभाती है। जब लोग अपनी ऑनलाइन गतिविधियों में सतर्क रहते हैं, जैसे कि सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग और अनजान लिंक से बचाव, तो साइबर हमलों के खतरे को कम किया जा सकता है। जागरूकता न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ाती है, बल्कि समाज में साइबर अपराध के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोधी ढांचा भी तैयार करती है। इसलिए, साइबर सुरक्षा में जागरूकता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक औपचारिक पत्र लिखिए -

(a) **36, नेहरू नगर**
कानपुर
दिनांक: 10 जुलाई 20XX
संपादक महोदय,
दैनिक भारत
विषय: वैश्विक स्तर पर जंगलों में लगने वाली आग पर चिंता व्यक्त करने हेतु।
महोदय,
भीषण गर्मी के कारण विश्वभर में जंगलों में आग लगने की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। इससे पर्यावरण, वन्य-जीव तथा मानव-जीवन सभी पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। तापमान वृद्धि, अनियमित वर्षा और मानव लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारों को आपदा प्रबंधन मजबूत करना, वृक्षारोपण बढ़ाना और जंगलों में निगरानी तंत्र विकसित करना अनिवार्य है। मीडिया के माध्यम से जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है।
भवदीय,
शोभित/शोभना

(b) सेवा में,
पुलिस आयुक्त
पुलिस चौकी
हरी नगर
विषय- आपकी सहायता से पार्क को स्वच्छ करवाने हेतु धन्यवाद पत्र।
मान्यवर,
मैं आपके क्षेत्र का नागारिक हूँ और मैनें अपने क्षेत्र के खेल के मैदान की समस्या के बारे मे आपकी पुलिस चौकी में आकर बताया था कि लोगों ने कूड़ा और सारी गंदगी पार्क में फेंककर उसकी सुंदरता को नष्ट कर दिया और अब बच्चों के खेलने के लिए भी कोई स्थान नहीं बचा। आपके द्वारा भेजी गई पुलिस फोर्स ने पार्क की सफाई का कार्य शुरु करवाया और लोगों को कड़े आदेश दिए कि वे पार्क में गंदगी न फैलाएँ।
आपने और सभी पुलिस बल ने हमारी बहुत सहायता की और पार्क को बच्चों के खेलने का स्थान दोबारा से बनाने के लिए आप सबकों बहुत धन्यवाद।

EDUTECH ACADEMY

भवदीय
एक जागरूक नागरिक
गोविन्द
दिनांक - 05/08/20.....

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए :

(a)

सूचना

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांकः 12/12/20XX

विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक प्रतियोगी 15 दिसंबर, 20XX तक अपना नाम सांस्कृतिक सचिव को लिखवा दें।

राहुल खन्ना
सचिव
छात्र संस्था

(b)

सूचना

मिलाप संगठन

छात्रवृत्ति हेतु सूचना

दिनांकः 12/02/20XX

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारा संगठन खेलकूद के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करता है। बच्चों को खेलकूद के प्रति उत्साहित करने के लिए हमारा संगठन प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसके लिए योग्य अभ्यर्थी से 20 फरवरी तक आवेदन माँगे जा रहे हैं। योग्य अभ्यर्थी अंतिम दिनांक से पहले संपर्क करें।

रोमिल टिक्कू
अध्यक्ष
मिलाप संगठन

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :

(a)

प्रदर्शनी ! प्रदर्शनी ! प्रदर्शनी !

जीनियस पब्लिक स्कूल, रायपुर

"बच्चों की उड़ान भरती प्रतिभा को सलाम करें"

'हस्तकला प्रदर्शनी' में आपका हार्दिक अभिनंदन है ।

विशेष बिन्दु :–

- 15 सितंबर, 2024 को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक,
- विद्यार्थियों द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन, जैसे- वैज्ञानिक मानकों पर आधारित उत्पाद, चित्रकारी चादरें, फूलदान, झालरें, मोमबत्तियाँ इत्यादि।
- बाज़ार से कम दामों में अपनी पसंद की वस्तुओं को ख़रीदकर बच्चों का हौसला बढ़ाएं ।

(b)

मनोरम ब्यूटी क्रीम

EDUTECH ACADEMY

एलोवेरा जेल युक्त

"खिला-खिला चेहरा झलकता नूर,
ऐसा लगे चली आ रही हूर ।"

"""""""दो की खरीदारी पर मनोरम फेस वॉश फ्री"""""""

16. एक बार मैं और मेरा दोस्त राजेश समुद्र के पास बैठे थे । यद्यपि राजेश मुझसे उम्र में काफी बड़ा था परन्तु हम दोनों में गहरी मित्रता थी । हर रविवार को छुट्टी के दिन हम समुद्र तट पर जाते और कुछ देर तैरते । राजेश ठीक-ठाक तैर लेता था जबकि मैं गहरे पानी में तैरना अभी नहीं सीख पाया था । तभी हमने एक लड़का जिसकी उम्र लगभग नौ वर्ष थी, को बार-बार पानी के पास जाते और फिर डरकर वापस आते देखा । उसे देख हमें हँसी आ गयी । फिर हम वहाँ से उठकर भेलपूरी लेने चले गये । लौटकर आये तो देखा एक आदमी किनारे खड़ा 'बचाओ-बचाओ' चिल्ला रहा था । समुद्र की तरफ देखने पर पता चला कि यह वही बालक है जिसे हमने थोड़ी देर पहले समुद्र के पास खेलते देखा था । मुझे गहरे पानी में तैरने का अनुभव न था लेकिन तभी राजेश ने अपनी कमीज उतार कर पानी में छलांग लगा दी । तब तक काफी भीड़ भी इकट्ठी हो गयी । हमने फोन कर एंबुलेंस भी मँगवा ली, लेकिन राजेश और वह लड़का कहीं दिखाई नहीं दे रहा थे । अनिष्टा की शंका से मेरा दिल जोर से धड़कने लगा तभी हमने उन्हें किनारे की तरफ आते देखा । वह बच्चा सही सलामत था, लेकिन राजेश किनारे तक पहुँचते-पहुँचते बेहोश हो गया । तुरन्त हम उसे अस्पताल ले गये । कुछ देर बाद राजेश को होश आ गया । राजेश को होश में देख मेरी जान में जान आ गयी । तब तक राजेश व मेरे माता-पिता भी वहाँ पहुँच गये थे । सारी बात जानकर सबने राजेश की प्रशंसा की कि उसने अपनी जान जोखिम में डालकर उस बच्चे की मदद की ।
सच ही कहा है-"वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।"
सीख- वास्तव में वही मनुष्य है जो दूसरों की संकट में सहायता करे अतः हमें भी परोपकार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए ।

OR

प्रेषक (From): prerak12@gmail.com
प्रेषिती (To): dmgbn@nic.in
Subject: अनधिकृत दुकानों के निर्माण की शिकायत
माननीय महोदय,
मैं प्रेरक/प्रेरणा आपके संज्ञान में लाना चाहता/चाहती हूँ कि हमारे पड़ोस में पिछले कुछ दिनों से अनधिकृत दुकानों का निर्माण किया जा रहा है । इससे रास्ता संकरा हो गया है और आवागमन में भारी असुविधा हो रही है । कृपया इस अवैध निर्माण की जाँच करवाकर आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें, ताकि क्षेत्र में व्यवस्था बनी रहे ।
धन्यवाद सहित,
प्रेरक

EDUTECH ACADEMY